तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

6

चार महीने से ठप पड़ा है कोसाबाड़ी मार्ग का निर्माण, कीचड़, मलबे में फंस रहे ग्रामीण

खबर संक्षेप

कटघोरा विधायक लेंगे टिफिन बैठक, किसानों से करेंगे परिचर्चा

हरदीबाजार। भारतीय जनता पार्टी

प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर किसान मोर्चा के द्वारा भारतीय जनता पार्टी मंडल हरदीबाजार विधायक निवास रेलडबरी में टिफिन बैठक 12 अक्टूबर समय 11 बजे रखा गया है जिसमें मुख्यअतिथि प्रेमचंद पटेल विधायक कटघोरा एवं अध्यक्षता चुलेश्वर राठौर जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा जिला की उपस्थिति में सम्पन्न होना है छत्तीसगढ़ शासन मंत्रिमंडल के द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी, धान खरीदी के लिए पुनः पंजीयन शुरू करना व गिरदावरी के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने पर विधायक प्रेमचंद पटेल के द्वारा कार्यकर्ता एवं किसानों के साथ टिफिन बैठक कर परिचर्चा करेंगे नवरतन राजपूत मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा के द्वारा सभी भाजपा कार्यकर्ता व किसानो को उपस्थित होने का आह्वान किया गया है।

मंडल हरदीबाजार का विजयादशमी उत्सव आज

हरदीबाजार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इस अवसर पर विजयादशमी उत्सव पर हरदीबाजार मंडल में पथ- संचलन एवं विजयादशमी उत्सव का कार्यक्रम पुरानी बस्ती, आर्यन पब्लिक स्कूल परिसर पुरानी बस्ती के सामने रविवार को शाम 4 बजे रखा गया है। आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। उक्त जानकारी अजय कुमार दुबे ने दी है।

15 नवंबर से जिले की 60 समितियों में शुरू होगी धान खरीदी

परिसीमन के बाद 19 नई सहकारी समितियां आई अस्तित्व में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में धान खरीदी के लिए इस वर्ष कोई नया केंद्र नहीं बना है और 19 नई समिति बनाए जाने के लिए पिछले वर्ष किये गये परिसीमन के बाद सभी 19 नई समितियों को पंजीयन प्रमाण पत्र शनिवार को वितरण किये जाने के बाद सभी 19 उपार्जन केंद्र अब समितियों के रुप में काम करेंगे। समितियों के क्षेत्र का परिसीमन भी किया गया था। इस तरह वर्तमान में अब 60 समिति हो गई है, जिनमें खरीदी होगी।

खास बात

- एक वर्ष पूर्व नई समिति बनाने किया गया था परिसीमन

धान खरीदी के लिए राज्य सरकार के दिशा निर्देश जारी हो गए हैं। 15 नवंबर से धार खरीदी होगी जिसके लिए किसानों का पंजीयन का काम 31 अक्टूबर तक चलेगा। ऑनलाइन टोकन की प्रक्रिया पूर्व की तरह ही चालू रहेगी। 31 सौ रुपए समर्थन मूल्य की दर से धान खरीदा जाएगा। राज्य शासन की ओर से जारी नए निर्देशों के तहत जिले में 41 सहकारी समितियों की संख्या 19 नई समितियां बनने के बाद बढ़कर 60 हो गई है। पिछले वर्ष समितियों का पुनर्गठन करने के हेतु परिसीमन किया गया था। इस परिसीमन के तहत समिति के अंतर्गत आने वाले 13 उपार्जन केंद्रों को समिति बनाने की प्रक्रिया शुरु हुई थी। जिनमें सभी को समिति बना दिया गया है केवल नई समितियां बनाई गई है। इस तरह कुल 19 नई समिति बनाई गई है। किंतु वर्तमान में जो रिपोर्ट सामने आयी है। इस तरह अब कुल 60 सहकारी समितियां और सभी उपार्जन केंद्रों को समितियों का दर्जा दे दिया गया है। धान बेचने हेतु किसानों का पंजीयन की कार्यवाही चल रही है। 31 अक्टूबर तक किसानों के पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी। उसके बाद पोर्टल बंद होगा। वर्तमान में 41 हजार 768 किसानों का पंजीयन एग्रोटेक पोर्टल में हुआ है। जो 31 अक्टूबर तक और भी बढ़ेगा।

बीते वर्ष 44 हजार किसानों ने बेचा था धान

धान खरीदी के लिए बीते वर्ष किए गए पंजीयन के लिए 44 हजार 427 किसानों ने अपना धान बेचा था। इस वर्ष यह संख्या बढ़ने की जानकारी सामने आयी है। चार नई समिति बनने के बाद उनके रिकार्ड भी अलग किये जाएंगे। किसानों के पंजीयन को लेकर जो रिकार्ड तैयार किया गया है। उसमें किसानों के रकबे की भी जानकारी दर्शायी गई है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष किसानों की संख्या बढ़ने के साथ रकबा भी बढ़ रहा है। इस वर्ष यह रकबा 57019.1480 हेक्टेयर बढ़ा है।

कुल 60 समिति से होगी खरीदी

जिले में 41 सहकारी समितियां थी एवं 13 उपार्जन केंद्र थे। सभी उपार्जन केंद्र को समिति बनाने के साथ 6 नई समितियां बना दी गई है। कुल 19 सहकारी समिति अस्तित्व में आने के बाद 60 सहकारी समितियों से खरीदी होगी। -एमआर ध्रुव, उप पंजीयक

डीआर कार्यालय से जारी हुआ प्रमाण पत्र

नई समितियों के अस्तित्व के आने के बाद उनके पंजीयन प्रमाण पत्र का वितरण कलेक्टर परिसर स्थित डीआर कार्यालय से किया जा रहा है। शनिवार को सभी मूल समिति के प्रबंधकों को पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करने के साथ रिकार्ड दुरुस्त करने के भी निर्देश जारी कर दिये गये हैं। सभी उपार्जन केंद्र को समिति का दर्जा दिये जाने से उनका भी रिकार्ड ऑनलाइन हो गये हैं।

ग्रामीणों ने खदान के मुख्य द्वार में किया प्रदर्शन, कोल उत्खनन व परिवहन ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पोड़ीउपरोड़ा ब्लाक के कई गांवों के ग्रामीणों, स्थानीय मजदूरों एंव जनप्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर रानीअटारी, विजय वेस्ट माइंस के समक्ष प्रदर्शन किया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने मुख्य द्वार को बंद कर दिया। जिसकी वजह से कोई भी अधिकारी व कर्मचारी खदान के भीतर प्रवेश नहीं कर पाए। जिसकी वजह से कोयला उत्पादन व परिवहन ठप्प रहा।

खास बातें

- विजय वेस्ट कोयला खदान का मामला
- मांगे पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने सरपंच संघ अध्यक्ष के नेतृत्व में खोला मोर्चा

एसईसीएल के रानी अटारी विजय वेस्ट कोयला खदान से प्रभावित ग्रामीणों द्वारा खदान के मुख्य द्वार को बंद कर आंदोलन किए जाने की सूचना मिलने पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी तथा पसान तहसीलदार विरेन्द्र कुमार श्याम मौके पर पहुंचे और आंदोलनरत ग्रामीणों से चर्चा की कोशिश की। हालांकि आंदोलनरत ग्रामीण अपनी मांगों पर अडिग रहे तथा धरना पर बैठने के साथ एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के लोगों एवं जनप्रतिनिधियों ने बीते 25 सिंतबर को एसईसीएल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया था तथा इसका शीघ्र निराकरण करने की मांग रखी थी। साथ ही मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन का अल्टीमेटम भी दिया था, लेकिन प्रबंधन द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया। जिससे आक्रोशित ग्रामीण ने पूर्व घोषणा के अनुसार शनिवार को पोड़ीउपरोड़ा ब्लाक सरपंच संघ अध्यक्ष प्रताप सिंह मरावी के नेतृत्व में एकत्रित हुए और सुबह 6 बजे रानीअटारी विजय वेस्ट माइंस पहुंचकर मुख्य द्वार को बंद कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान खदान में प्रथम पाली में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वाहनों को अंदर प्रेवश नहीं करने दिया। जिससे कोयला खदान का उत्पादन तथा परिवहन संबंधी कामकाज ठप पड़ गया। ग्रामीणों तथा ठेका मजदूरों द्वारा खदान में प्रदर्शन किये जाने की जानकारी मिलने पर एसईसीएल के अधिकारी, पसान तहसीलदार समेत कोरबी पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने और अपनी मांगों पर अडिग रहे। समाचार लिखे जाने तक आंदोलन जारी था और एसईसीएल व प्रशासनिक अधिकारी उन्हें मनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। प्रदर्शन करने वालों में पुटीपखना क्षेत्र के जनपद सदस्य संतोष मरावी, सरपंच चंद्रप्रताप सिंह, तनेरा सरपंच पति सरवन कुमार, अड़सरा, हरदेवा,सेन्हा के सरपंच व बड़ी संख्या में ग्रामीण अथवा ठेका मजदूर शामिल हैं।

एनएचएम कर्मचारियों को दिवाली से पहले मिलेगा 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

राज्य शासन ने नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मियों को दिवाली के पहले 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का तोहफा दिया है। 1 जुलाई 2023 से वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाएगा। हालांकि शासन के आदेश में ये भी स्पष्ट कर दिया गया है कि जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवाएं 1 जुलाई 2023 तक एक साल की पूरी हो चुकी होंगी, उन्हीं को 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाएगा। शासन के इस आदेश से करीब 1500 से ज्यादा कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिलेगा। उल्लेखनीय है कि वेतन वृद्धि सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एनएचएम के अधिकारियों-कर्मचारियों ने 33 दिनों की हड़ताल की थी। उसी दौरान एनएचएच कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सहित 25 पदाधिकारियों को बर्खास्त किया गया था। हड़ताल समाप्ति के दौरान हुई चर्चा में बर्खास्त कर्मियों की बहाली का आश्वासन दिया गया था। इस वजह से बर्खास्त कर्मचारी बहाली का इंतजार कर रहे हैं।

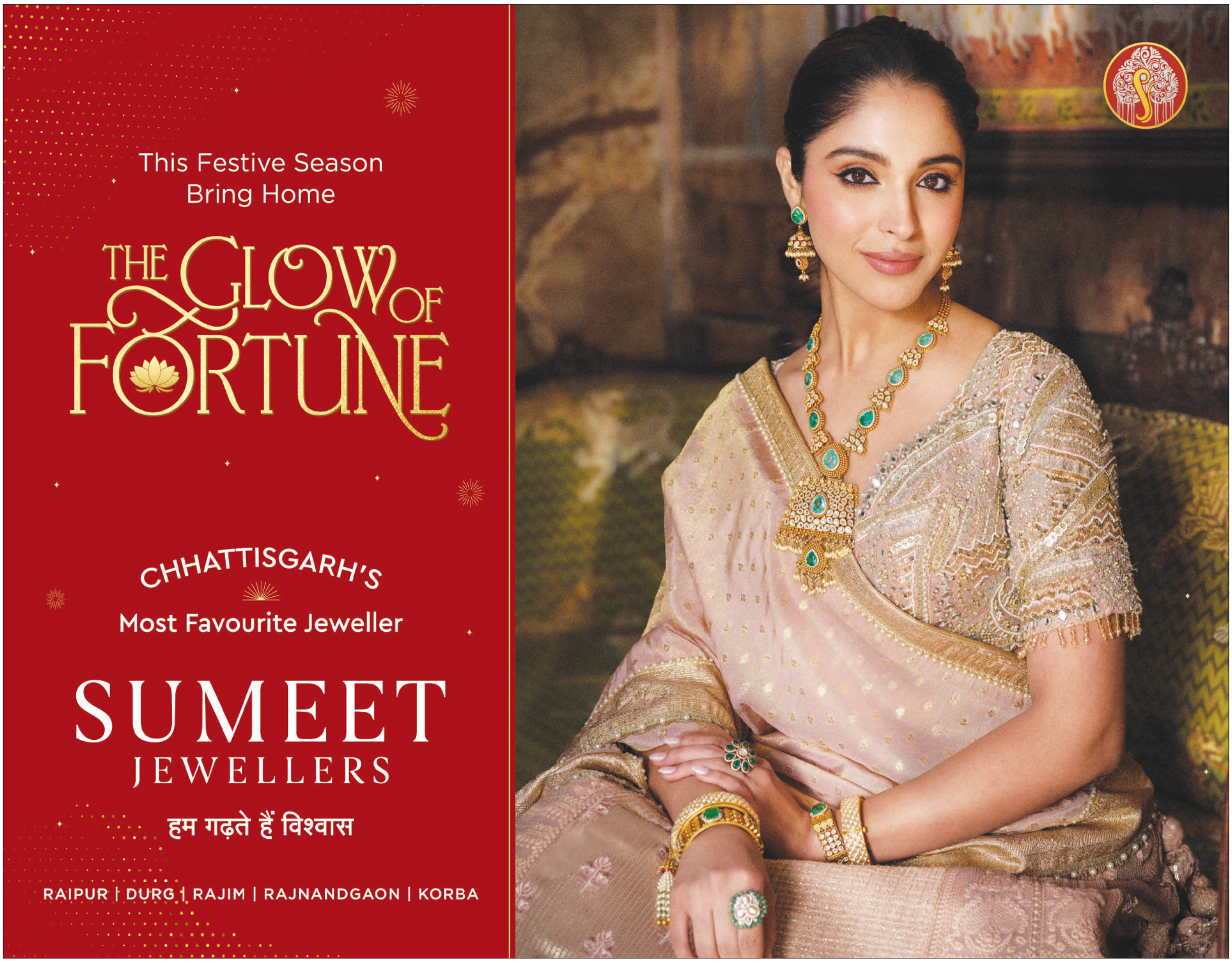

खबर संक्षेप

प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को शहर में रहेंगे पेट, लिवर एवं किडनी रोग विशेषज्ञ

कोरबा। मल्टी सुपर स्पेशलिटी संस्थान उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल रायपुर द्वारा अब जिले के मरीजों को घर के पास ही उच्चस्तरीय परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल के तहत प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर स्थित कृष्णा हॉस्पिटल कोसाबाड़ी में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच और परामर्श देंगे। इस दौरान पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार सिंह, कंसल्टेंट लैप्रोस्कोपिक सर्जन, 17 वर्ष का अनुभव, पेट/आहार नली में जलन या दर्द, गैस, पेट फूलना या भारीपन, गॉलब्लाडर में पथरी, लीवर संबंधी रोग, बवासीर, फिशर, फिस्टुला, मल में खून आना,पेट या बड़ी आंत का कैंसर, एंडोस्कोपी जांच सुविधा (पूर्व पंजीयन आवश्यक), मूत्र एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग यादव, किडनी की पथरी या संक्रमण, प्रोस्टेट ग्रंथि की समस्या, मूत्र मार्ग संक्रमण, मूत्र में रुकावट, जलन या रक्त आना, महिलाओं एवं बच्चों के मूत्र संबंधी विकार, निःशुल्क यूएफटी (मूत्र प्रवाह जांच) सुविधा दी जाएगी। इस परामर्श शिविर का उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है, ताकि मरीजों को रायपुर जैसे बड़े शहरों तक बार-बार यात्रा न करनी पड़े। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल का यह कदम स्वास्थ्य सेवा के विकेंद्रीकरण की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

कांग्रेस के सृजन संगठन अभियान के तहत श्रमिक संगठनों की बैठक

कोरबा। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के कोरबा जिला पर्यवेक्षक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.रामचंद्र खुटिया ने शुक्रवार को श्रमिक संगठन इंटक पदाधिकारियों के साथ बैठक ली। जिला कांग्रेस कार्यालय टीपी में इंटक पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री खुटिया ने कहा कि महात्मा गांधी, पंडित नेहरू का कहना था कि जिसको काम करना है उसे सलीके से ट्रेंड होना जरूरी है तथा सरदार पटेल का मत था कि संगठन के बिना संख्या बल बेकार है। वह एकता और अनुशासन पर बल देते थे। श्री खुटिया ने कहा कि समय के साथ हमको चलना है और समय के साथ हमारे पास काम करने की क्षमता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंटक भारत में सबसे बड़ी श्रमिक संगठन के रूप में मजदूरों का हक दिलाते आ रहा है। निजीकरण के इस दौर में जब श्रम कानून उद्योगपतियों के अनुसार बनाया जा रहा है, इन परिस्थितियों में भी इंटक मजदूर हित के साथ खड़ा है। बैठक को पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने भी संबोधित करते हुए कहा कि हम संगठन को मजबूत कर अपने हक की लड़ाई के लिए सदैव तैयार रहें। श्री अग्रवाल ने कहा कि आने वाला समय संघर्षपूर्ण है। एकजूटता से ही हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इंटक एवं कांग्रेस संगठन ने हमें जो पहचान दी है उसको बरकरार रख हमें संगठन को मजबूत कर मजदूरों का हक दिलाना होगा। कांग्रेस और इंटक दोनों एक सिक्के के दो पहलू है। इंटक बैठक के बाद बरपाली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं पसान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकरियों के साथ बैठक आयोजित किया गया। इस अवसर पर नत्थूलाल यादव, मनोज चौहान, हरीश परसाई, विकास सिंह, बीएन सिंह, राजकिशोर प्रसाद, श्याम सुंदर सोनी, रामइकबाल, केपी चंद्रवंशी, कुसुम द्विवेदी, ललन तिवारी, जयप्रकाश यादव, रमेश मिश्रा सहित एनटीपीसी, एसईसीएल, सीएसईबी पूर्व-पश्चिम, कुसमुण्डा, बालको आदि क्षेत्र के श्रमिक संगठन इंटक के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम देशभर में एक साथ आयोजित हुआ। कलेक्टोरेट परिसर से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर जिले के जनप्रतिनिधि, किसान एवं अधिकारीगण शामिल हुए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता का मूल आधार कृषि है। देश के अन्नदाताओं ने हमेशा राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया है।

अब दलहन उत्पादन में भी आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का समय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही भारत के उज्जवल भविष्य की कुंजी है, और सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि यह योजना किसानों को नई ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और सरकार द्वारा लगातार किसानों के कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों को प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की सौगात मिली है। भारत कृषि प्रधान देश है और हमारे किसान आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ हैं। जीएसटी में सुधारों से कृषि यंत्रों में सस्ती दरों का लाभ किसानों को मिल रहा है, जिससे बचत और उत्पादकता दोनों बढ़ी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद कर देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य दे रही है।

बैठक में उपस्थित विधायक प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष व महापौर, कलेक्टर।

तहसील साहू संघ के पालूराम बने अध्यक्ष

नवगठित कार्यकारी के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के सभी तहसीलों में साहू संघ के पदाधिकारियों का निर्वाचन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 7 अक्टूबर को तहसील साहू संघ कोरबा का निर्वाचन संपन्न कराया गया। जिसमें पूर्व पार्षद पालूराम साहू को तहसील साहू संघ कोरबा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। इसके अलावा उपाध्यक्ष पुरुष में रामलाल साहू, उपाध्यक्ष महिला में श्रीमती सुमन बाला साहू, संगठन सचिव पुरुष में ओमप्रकाश साहू व संगठन सचिव महिला में श्रीमती रजनी साहू का निर्वाचन किया गया है। निर्वाचन में चुनाव पर्यवेक्षक तहसील साहू संघ कोरबा के गोरेलाल साहू, दानसाय साहू व तहसील साहू संघ कोरबा के बालाराम साहू कृपाराम साहू उपस्थित रहे। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर पालूराम साहू ने कहा कि यह पद मेरे लिए सम्मान नहीं बल्कि दायित्व है। हमारा समाज परिश्रम, ईमानदारी व एकता की पहचान रखता है। अब समय है कि हम अपने संगठन को और सशक्त बनाए और शिक्षा, स्वावलंबन व सामाजिक जागरूकता को हर घर तक पहुचाएं। अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मिलकर युवा और मातृ शक्ति को आगे बढ़ाने संकल्प लिया।

एचटीपीएस में एक हजार कर्मचारियों को दिया गया विद्युत, अग्नि एवं रसायन संरक्षा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कार्यक्रम में उपस्थित बिजली कर्मचारी व ठेका श्रमिक।

हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में कर्मचारियों एवं श्रमिकों को बाह्य संस्थान द्वारा संरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। 9 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस संरक्षा प्रशिक्षण में विद्युत संरक्षा, अग्नि संरक्षा एवं रसायन संरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। इस संरक्षा प्रशिक्षण का लाभ एक हजार कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उठाया। संरक्षा प्रशिक्षण के पहले दिन गुरूवार को मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों में संरक्षा के प्रति जागरूकता लाने एवं संरक्षा उपकरणों का सही इस्तेमाल करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हम शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले मुख्य अभियंता ने मेसर्स सेफ्टीट्यूड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के संरक्षा विशेषज्ञ शिवप्रसाद श्रीवास्तव का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीके स्वैन भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बिजली संयंत्रों में कड़े संरक्षा प्रोटोकॉल एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उचित प्रोटोकॉल और संरक्षा प्रशिक्षण देने से कारखानों में दुर्घटनाओं का जोखिम कम होता है। इस प्रशिक्षण में अधीक्षण अभियंता (सुरक्षा एवं वैधानिक अनुपालन) राजेश बंजारा, मुख्य संरक्षा अधिकारी पीयूष सोमानी, संरक्षा अधिकारी प्रिया मिश्रा एवं परमानंद जांगड़े का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एसईसीएल की नीलकंठ कंपनी के खिलाफ सीएसके ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कुसमुंडा महतारी अंगना में छत्तीसगढ़ किसान सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी नीलकंठ द्वारा स्थानीय युवाओं की उपेक्षा और बाहरी व्यक्तियों की भर्ती का रहा।

घटना से आक्रोशित भूविस्थापित।

भूविस्थापित से मारपीट करते महिला बाउंसर।

खास बात

- भूविस्थापितों को बाउंसर से पिटवाने वाले प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

उपस्थित सदस्यों ने इस रवैये पर कड़ा विरोध दर्ज किया।

बैठक में यह भी आरोप लगाया गया कि नीलकंठ कंपनी ने भूविस्थापित किसानों को डराने और मारपीट करने के लिए महिला बाउंसरों की तैनाती की है। इस कृत्य की सभी ने तीखी निंदा की और कहा कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जल्द ही बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से विनोद सारथी, कैलाश साहू, गोविंदा सारथी सहित कई संगठन प्रमुख उपस्थित रहे। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के चंद्रनगर के भूविस्थापित किसान समीर पटेल ने आरोप लगाया है कि नीलकंठ कंपनी में नौकरी के लिए पिछले एक साल से चक्कर काट रहे समीर पटेल को शुक्रवार को कंपनी के एचआर मुकेश सिंह ने ऑफिस बुलाया। किसान को उम्मीद थी कि इस बार बात बन जाएगी, लेकिन उल्टा उनके साथ बदसलूकी हो गई। सूत्रों की मानें तो एचआर मुकेश सिंह ने महिला बाउंसरों से समीर पटेल की पिटाई करवा दी। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि जब भूविस्थापितों को रोजगार देने का वादा खुद कंपनी ने किया था, तो अब ऐसे व्यवहार का क्या मतलब है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच परंपरा को जिंदा रखे हैं कुम्हार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कार्तिक अमावस्या को आने वाला रोशनी का सबसे बड़ा पर्व दीपावली इस बार भी कोरबा क्षेत्र में आस्था, उमंग और परंपरा के साथ मनाया जाएगा। भले ही आधुनिकता के इस युग में सजावट के कई नए तरीके आ गए हों, लेकिन दीपावली की असली रौनक अब भी मिट्टी के दीपकों से ही पूरी होती है। कोरबा के सीतामढ़ी क्षेत्र में रहने वाले प्रजापति (कुम्हार) समुदाय के लोग तमाम चुनौतियों के बावजूद अपनी पुश्तैनी कला को जीवित रखे हुए हैं। उनका मानना है कि परंपरा से जुड़ा यह काम सिर्फ जीविका का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति की पहचान भी है। समुदाय के सदस्यों ने बताया कि पहले हाथ से चलने वाले चाक पर दीये और मूर्तियां बनाई जाती थीं, लेकिन अब सरकार की मदद से इलेक्ट्रिक चाक मिलने से काम आसान हुआ है और उत्पादन भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि समय जरूर बदला है, मगर हमने अपनी जड़ों से रिश्ता नहीं तोड़ा। हमारी मेहनत से बनी हर वस्तु दीपावली की रौशनी में चार चांद लगाती है। पिछली पांच-छह पीढ़ियों से कोरबा में बसे कुम्हार परिवार दीये, मूर्तियां, और पूजा सामग्री तैयार कर रहे हैं। उनका कहना है कि बदलते समय के अनुसार वे कुछ सुधार जरूर करते हैं, पर परंपरा को कभी नहीं छोड़ते। सीतामढ़ी के अलावा विवेकानंद चौक और दीपका क्षेत्र में भी कुम्हार समुदाय के लोग त्योहारों के अवसर पर मिट्टी से सुंदर वस्तुएं तैयार कर रहे हैं। उनका कहना है छत्तीसगढ़ में चाहे जमाना कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, लोग अब भी अपनी पुरानी परंपराओं को दिल से निभाते हैं।

एसईसीएल की बॉडी बिल्डिंग और वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बॉडी बिल्डिंग व वेट लिफ्टिंग को पुरुस्कृत करते अधिकारी।

एसईसीएल की अंतर क्षेत्रीय बॉडी बिल्डिंग, पावर लिफ्टिंग और वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में कुसमुंडा क्षेत्र चैंपियन बना। कोरबा में आयोजित इस 2 दिवसीय स्पर्धा में हसदेव क्षेत्र उपविजेता रहा। एसईसीएल के सभी 13 क्षेत्रों की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। पुरुष और महिला वर्ग से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता की मेजबानी एसईसीएल कोरबा क्षेत्र ने की, जिसके महाप्रबंधक राजेश कुमार गुप्ता थे। कुसमुंडा क्षेत्र के संजय पाल को बॉडी बिल्डिंग में प्रथम स्थान मिला और उन्हें 'मिस्टर एसईसीएल' का खिताब दिया गया। जमुना-कोतमा क्षेत्र की महिला खिलाड़ी रुक्मणी ने वेट लिफ्टिंग में जीत दर्ज कर 'एसईसीएल की स्ट्रॉन्ग वुमेन' का खिताब अपने नाम किया।कुसमुंडा क्षेत्र के विष्णु प्रसाद यादव ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में 215 किलोग्राम वजन उठाकर 'मिस्टर स्ट्रॉन्ग मैन का खिताब जीता। उन्होंने अपने वजन से तीन गुना अधिक भार उठाया। विजेता खिलाड़ी अब नागपुर में होने वाली प्रतियोगिता में एसईसीएल का प्रतिनिधित्व करेंगे। एसईसीएल कोयला उत्पादन के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दे रहा है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है।

नागेंद्र वनमंडल स्तरीय टीम के बने सदस्य

कोरबा। कटघोरा वन मंडल अंतर्गत मानव हाथी संघर्ष स्थिति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वन मंडल स्तरीय टीम का गठन किया गया है। जिसमें अध्यक्ष सहित 15 सदस्य बनाए गए हैं। टीम का उद्देश्य संघर्ष की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचना और स्थिति का आंकलन करना, मानव जीवन के रक्षा को प्राथमिकता देना तथा घायलों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करना शामिल है। उक्त टीम में उपवन मंडल अधिकारी संजय त्रिपाठी को अध्यक्ष बनाने के साथ 15 सदस्य बनाए गए हैं जिसमें कोरबा प्रेस क्लब के सचिव व पत्रकार नागेंद्र श्रीवास को सदस्य बनाया गया है। श्री श्रीवास पिछले 15 वर्षों से लगातार हाथी मानव द्वंद व हाथियों को लेकर खबर का प्रकाशन करते आ रहे हैं। हाथियों से होने वाले नुकसान व ग्रामीणों के बचाव को लेकर अखबार के माध्यम से लोगों में जागरुकता ला रहे हैं।

गरीबों के राशन से चना गायब, सीपीआई और महिला संगठन ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गरीब नागरिकों के मासिक राशन से चना गायब होने के मुद्दे पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) जिला परिषद कोरबा एवं छत्तीसगढ़ महिला संगठन (एनएफआईडब्ल्यू) ने संयुक्त रूप से जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा है। संगठनों ने आरोप लगाया है कि पिछले कई महीनों से शासकीय राशन वितरण में गरीब परिवारों को चना नहीं मिल रहा है, जबकि यह राशन का नियमित हिस्सा हुआ करता था।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि क्षेत्र के अनेक गरीब उपभोक्ताओं ने इसकी शिकायत करते हुए बताया कि उनके राशन थैले से लगातार चना गायब है। जब इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया, तो कहीं से भी चना वितरण का रिकॉर्ड या जानकारी नहीं मिल सकी। इससे वितरण प्रणाली में गड़बड़ी या जालसाजी की संभावना प्रबल प्रतीत होती है। सीपीआई और महिला संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि चना आपूर्ति में हुई अनियमितताओं की तत्काल जांच की जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही, गरीब जनता को नियमित रूप से चना उपलब्ध कराने की व्यवस्था तुरंत बहाल की जाए। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड पवन कुमार वर्मा, सहसचिव अनूप सिंह, जिला परिषद सदस्य एस.के. सिंह, छत्तीसगढ़ महिला संगठन (एन.एफ.आई.डब्ल्यू.) की राज्य सहसचिव विजयलक्ष्मी चौहान, जिला अध्यक्ष मीना यादव और जिला सचिव हेमा चौहान उपस्थित थीं।

बिजनेस प्लस

शहर में सुमित ज्वेलर्स की पांचवीं ब्रांच का हुआ शुभारंभ

कोरबा। प्रदेश की ज्वेलरी मार्केट में नाम बना चुके सुमित ज्वेलर्स की पांचवीं ब्रांच का शुभारंभ शनिवार को पुराने कोरबा व्यवसायिक परिसर में किया गया। इस दौरान सुमित ज्वेलर्स प्रबंधन उपस्थित थे। कोरबा शहर में ज्वेलरी मार्केट के बढ़ते क्रेज को देखते हुए नई रेंज की ज्वेलरी लेकर सुमित ज्वेलर्स के शोरुम की शुरुआत शनिवार को हुई। इस दौरान सुमित ज्वेलर्स के संस्थापक और प्रबंधक अंकित कंकेरिया ने बताया कि 2005 में रायपुर से उन्होंने अपने ज्वेलरी शोरुम की शुरुआत की थी। इसके पीछे उनका उद्देश्य प्रदेश के ग्राहकों को ज्वेलरी मार्केट के क्षेत्र में नई रेंज और डिजाइन की ज्वेलरी उपलब्ध कराना रहा है। इसी का परिणाम है कि बीते 20 वर्षों के दौरान प्रदेश के 4 बड़े शहर दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर, राजिम में शुरु की गई है। कोरबा में उनकी यह पांचवीं ब्रांच है। कोरबा शहर के मार्केट में ज्वेलरी मार्केट की अलग पहचान बन चुकी है। शहर के ज्वेलरी पसंद ग्राहकों को सुमित ज्वेलर्स में हैवी और लाइट वेट के ज्वेलरी उपलब्ध रहेगी। इसमें नई डिजाईन और रेंज की ज्वेलरियों की प्रमुखता रहेगी। देश के महानगरों की तरह कोरबा शहर के ग्राहकों को भी अच्छी कीमत में ज्वेलरी उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी कई वैरायटी मौजूद रहेंगी। शोरुम के शुभारंभ अवसर पर सुमित ज्वेलर्स रायपुर ब्रांच के अर्पित कंकेरिया, कोरबा शहर के ब्रांच संचालक पारस जैन, प्रकाश जैन आदि उपस्थित थे।

एआईसीसी उपाध्यक्ष की पत्रकारवार्ता

बीजेपी और आरएसएस सिर्फ राजनीति और सत्ता के लिए करते हैं काम: खुटिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बीजेपी और आरएसएस की दिलचस्पी सिर्फ राजनीति और चुनावों में है। बीजेपी व आरएसएस पॉलिटिक्स और इलेक्शन के अलावा और कुछ नहीं जानता है, उनको सिर्फ इलेक्शन में जीतना है और सत्ता पर काबिज होना है।

उक्त बातें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और जिले के पर्यवेक्षक डॉ.आरसी खुटिया ने मीडिया से चर्चा के दौरान कही। श्री खुटिया ने बीजेपी और आरएसएस पर तीखा हमला बोला और कहा कि ये संगठन सिर्फ राजनीति और चुनाव के लिए काम करते हैं, उनका एकमात्र लक्ष्य सत्ता पर कब्जा करना है। उन्होंने महात्मा गांधी के सामाजिक आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने अस्पृश्यता के खिलाफ 15 साल तक संघर्ष किया और समाज के सभी दलित, हरिजन, एससी, एसटी लोगों को साथ लाए। उन्होंने सवाल किया कि आरएसएस और बीजेपी ने अपने 100 साल के इतिहास में जातिभेद प्रथा को दूर करने के लिए भारतवर्ष में क्या किया है। डॉ.खुटिया ने बीजेपी पर हिंदू धर्म के लिए काम करने के दावे पर पलटवार करते हुए कहा कि हिंदू धर्म का सबसे बड़ा खतरा जातिभेद प्रथा है। अगर जातिभेद प्रथा दूर हो जाएगा, तो हिंदू धर्म तो ताकतवर बन जाएगा। उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि आरएसएस के सभी प्रमुख नेता ब्राह्मण हैं, और संगठन जातिभेद को दूर करने के लिए गंभीर प्रयास नहीं कर रहा है।

बैठक में शामिल एआईसीसी पर्यवेक्षक श्री खुटिया व पूर्व राजस्व मंत्री।

समान काम के लिए समान मजदूरी क्यों नहीं

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.खुटिया ने बीजेपी के एक देश एक सिविल कोड के नारे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अगर पूरे देश के लिए समान सिविल कोड हो सकता है, तो समान काम के लिए समान मजदूरी क्यों नहीं हो सकती। वे कहते हैं कि वन कंट्री, वन सिविल कोड। सारा देश के लिए समान नीति होनी चाहिए। तो सारा देश के लिए समान मजदूरों के लिए मजदूरी क्यों नहीं होता है? सभी राज्यों में अगर समान मजदूरी हो जाएगा, तो माइग्रेशन नहीं होगा। उन्होंने तर्क दिया कि जब केरल, दिल्ली या छत्तीसगढ़ में मजदूरों की मजदूरी समान हो जाएगी, तो कोई भी मजदूर पलायन करके बाहर नहीं जाएगा, जिससे श्रमिकों का शोषण रुकेगा।

लव जिहाद को लेकर भाजपा पर बोला हमला

डॉ.खुटिया ने लव जिहाद के मुद्दे को लेकर भी बीजेपी नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के परिवारों का उदाहरण दिया, जिनके बच्चों ने दूसरे धर्मों में शादी की है और कहा कि जब उनके नेता यह करते हैं तो वह लव जिहाद नहीं होता, बल्कि प्यार होता है, लेकिन गरीब लोग ऐसा करते हैं तो उसे लव जिहाद करार दिया जाता है। उन्होंने ऐसे दोहरे मापदंड को अस्वीकार्य बताया।

खबर संक्षेप

करवा चौथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा। पावर इंपीरिया फ्रेंड्स ग्रुप ने श्रीमती कल्पना मिश्रा के मार्गदर्शन व श्रीमती रजनी इंदा के सहयोग से करवा चौथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से श्रीमती अनीता इंदा, विनीत सोनी, सोनल शाह, अर्चना अंजय, पूजा कुंडू, सरिता अग्रवाल, मनीषा मोदी, ममता, रितु सिंघानिया, कंचन मोटवानी, अलका फिलिप, तारा सोनी, सुदीप्त चौधरी, पिंकी वर्मा, असलेखा एवं बबली भामरा उपस्थित रहे।

जीपीएल सीजन 05 का हुआ शुभारंभ

कोरबा। जीपीएल सीजन 05 का शुभारंभ 11 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे गेवरा स्टेडियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्यातिथि एनके साहू महाप्रबंधक (संचालन) गेवरा क्षेत्र थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय बेहरा महाप्रबंधक (एचआर) गेवरा क्षेत्र एवं विशिष्ट अतिथि एके सिंह महाप्रबंधक (ई एंड एम) गेवरा क्षेत्र, अमित यादव महाप्रबंधक (एचआर) दीपका क्षेत्र, जीएस प्रसाद, विपिन मलिक, विकास दुबे महाप्रबंधक (एचआर) केसीसी, अनिद्ध सिंह, राजेश सिंह, एसपी तांती मंचस्थ थे। इस दौरान स्व अमन बाजवा के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। आयोजन समिति के तनवीर अहमद, जी उदयन, आशीष सिंह, मो वसीम, सुरेंद्र सिंह, अभिषेक चरण, सानिध्य सोलंकी, आशु पालीवाल, साबिर अंसारी, विनी सिंह, दीप सरकार, अमर पाल ने मंचस्थ अतिथियों का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एनके साहू ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र के क्रिकेट खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और स्वयं को आगे बढ़ने का अच्छा अवसर प्रदान करता है। अजय बेहरा, आयोजन समिति ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। अतिथियों ने जीपीएल 05 के विनर और रनर ट्रॉफी का अनावरण किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर युवा उद्यमी स्व.अमन बाजवा को श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि ने टॉस करा कर मैच का शुभारंभ कराया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषि धन-धान्य योजना पर प्रधानमंत्री के संवाद का हुआ सीधा प्रसारण

कोरबा। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कृषि धन-धान्य योजना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवाद का सीधा प्रसारण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 21सौ विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों से लगभग 84 कृषक प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एसएस पोर्ते अधिष्ठाता, कृषि अनुसंधान अधिसंस्थान (सीएआरएस) कटघोरा रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधिकरण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि धन-धान्य योजना किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ एसपी सिंह ने किसानों को योजना के अंतर्गत विभिन्न लाभों, कृषि नवाचारों तथा प्राकृतिक खेती के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में किसानों के प्रश्नों के समाधान हेतु खुला संवाद सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग से एमपी सिंह, पशु विभाग से डॉ. इंद्र कुमार पटेल अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण एवं कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इश्योरेंस एम्पलाईज एसोसिएशन ने निकाली रैली

कोरबा। बिलासपुर डिविजन इश्योरेंस एम्लाईज एसोसिएशन का 12वां अधिवेशन शहर के टीपी नगर स्थित पाटीदार भवन में शुरु हुआ। दो दिन तक चलने वाले इस अधिवेशन के पहले दिन शहर में रैली निकाली गई और दूसरे चरण में संबोधन कार्यक्रम रखा गया था। अधिवेशन का उद्देश्य एलआईसी के आईपीओ में वृद्धि, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी तथा संप्रदायिकता के खिलाफ कर्मचारियों में जागरुकता लाना है। शहर में निकाली गई रैली इश्योरेंस कंपनी से जुड़े सभी कर्मचारी शामिल रहे। सम्मेलन को पहले सत्र के उद्घाटन सत्र को सेंट्रल जोन इश्योरेंस एम्लाईज एसोसिएशन के महासचिव कामरेड धर्मराज महापात्र ने संबोधित करते हुए कहा कि सतत सेवानिवृत्त के फलस्वरुप कर्मचारियों पर काम का दबाव लगातार बढ़ रहा है। निगम का व्यवसाय 40 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों की संख्या 43 प्रतिशत कम हुई है। सरकार नई भर्ती नहीं कर रही है। सरकार के नीतियों के खिलाफ लड़ाई तेज की गई है। केंद्र सरकर निजीकरण के नाम पर तमाम सार्वजनिक उपक्रमों को निजी घराने को सौंपने का काम कर रही है।

कुसमुंडा क्षेत्र की गेवरा बस्ती में वर्कशाप का आयोजन

आउटसोर्सिंग मजदूरों के लिए वर्कशॉप में गूंजी स्थायीकरण और शोषण मुक्ति की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खनन क्षेत्र के आउटसोर्सिंग एवं अन्य ठेका कंपनियों में कार्यरत मजदूरों के कानूनी अधिकारों और शोषण मुक्ति के उपायों पर केंद्रित एक वर्कशॉप का आयोजन कुसमुंडा क्षेत्र के गेवरा बस्ती के मंगल भवन में किया गया। इस दौरान ठेका कामगारों को राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता से जोड़ने, उन्हें स्थायी करने की मांग तथा श्रमिक आंदोलनों को कुचलने की सरकारी नीतियों पर चिंता व्यक्त की गई।

वर्कशॉप राष्ट्रीय कोल वर्कर फेडरेशन के महामंत्री भागवत दुबे ने अपने वक्तव्य में हाई पावर कमेटी के औचित्य पर सवाल उठाया उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे पार्लियामेंट द्वारा गठित नहीं किया गया है। इसलिए इसका कोई महत्व नहीं है, उन्होंने पुरजोर मांग की कि ठेका कामगारों को राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता के साथ जोड़ा जाना चाहिए। श्री दुबे ने बताया कि वर्ष 2008 से 2015 के बीच खनन कार्यों में लगे मजदूरों को स्थायी करने का सरकारी आदेश जारी हुआ था। इस संबंध में केंद्रीय लेबर कमिश्नर के पास मामला दर्ज कराया गया है और जल्द ही निर्णय आने और मजदूरों के स्थायीकरण की उम्मीद है।

कार्यशाला में शामिल अधिकारी एवं ठेका श्रमिक।

कोयला उत्खनन से जनजीवन और कृषि भूमि को खतरा

वर्कशॉप की अध्यक्षता कर रहे सपुरन कुलदीप ने जिले ही नहीं, पूरे देश में कोयला सहित खनिज संपदा के अंधाधुंध उत्खनन पर चिंता जताई उन्होंने कहा कि इससे जनजीवन को खतरा है और कोयला खुदाई के कारण कृषि भूमि नहीं बचेगी, जो भविष्य की पीढ़ी के सामने भयंकर समस्या उत्पन्न करेगी। इस अवसर पर श्रम सेवा भूविस्थापित संघ, छत्तीसगढ़ ठेका कामगार यूनियन, ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति सहित बड़ी संख्या में ठेका कामगारों ने हिस्सा लिया इस आयोजन को सफल बनाने में अशोक पटेल, विनोद सारथी, संतोष चौहान आदि ने अपना योगदान दिया।

श्रमिक आंदोलन को कुचलने की हो रही है कार्यवाही

कोल इंडिया एसटी एससी एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी खांडे ने कहा कि केंद्र सरकार श्रमिक आंदोलन को खत्म करने के लिए यूनियन बनाने के अधिकार को ही बंद करा रही है और आंदोलनों को कुचलने के लिए दमनात्मक कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि ठेका कामगारों के बिना केंद्रीय ट्रेड यूनियनें स्वयं ही समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने समान काम समान वेतन और सुविधाओं की मांग पर ठेका कर्मचारियों के आंदोलन को मजबूत बनाने का आव्हान किया।

उन्होंने आउटसोर्सिंग को मजदूरों की मजदूरी पर डाका बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की। उन्होंने छत्तीसगढ़ के मजदूरों से अपने अधिकारों के लिए कानूनी जानकारी में महारत हासिल करने का आह्वान किया, ताकि शोषण खत्म हो सके। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि हाई पावर कमेटी के अनुसार ठेका कामगारों के उच्च कुशल प्रकृति के श्रमिक को स्थायी कर्मचारी के कटेगरी 1 से कम वेतन क्यो मिलेगा।

अब निजी कंपनियां संभालेंगी विद्युत आपूर्ति का कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अब आम लोगों के लिए बिजली व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने वाला है। केंद्र सरकार ने एक ऐसा प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके जरिए पूरे देश

खास बात

- उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने वाले कंपनी को चुनने का मिलेगा मौका

में निजी कंपनियों को बिजली की सप्लाई में उतरने का मौका मिलेगा। अभी ज्यादातर राज्यों में यह काम केवल सरकारी कंपनियां ही करती हैं, लेकिन नए बिल के जरिए यह एक खुला बाजार बन सकता है। इसका मतलब यह होगा कि लोग सिर्फ एक ही सरकारी कंपनी पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें बेहतर सेवा देने वाली कंपनी को चुनने का अधिकार मिलेगा। बिल्कुल उसी तरह, जैसे लोग मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर चुन सकते हैं।

सरकार के इस कदम से निजी कंपनियों जैसे अडानी इंटरप्राइजेज, टाटा पावर, टोरेंट पावर और सीईएससी को देशभर में अपना नेटवर्क बढ़ाने का मौका मिलेगा। इससे बिजली क्षेत्र में प्रतियोगिता बढ़ेगी और उम्मीद है कि सेवाएं बेहतर होंगी। कुछ साल पहले भी ऐसा प्रयास हुआ था, लेकिन कई राज्य सरकारों और उनकी बिजली वितरण कंपनियों ने इसका विरोध किया था। फिलहाल देश में कुछ ही राज्यों और क्षेत्रों जैसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात में ही निजी कंपनियां बिजली वितरण का काम करती हैं। बाकी ज्यादातर जगहों पर राज्य सरकारों की कंपनियां ही इस काम को संभालती हैं, लेकिन उनमें भारी फाइनेंशियल लॉस हो रहा है। सरकार कई बार इन कंपनियों को सुधारने, घाटा कम करने और पुरानी व्यवस्था को अपडेट करने के लिए कह चुकी है, लेकिन हालात अभी भी चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। इस साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपनी दो बिजली वितरण कंपनियों को निजी हाथों में देने के लिए बोली लगवाई थी। ऐसा माना जा रहा है कि अगर नया बिल पास हो जाता है तो देश के बाकी राज्यों में भी यही रास्ता अपनाया जाएगा। जून 2025 तक राज्यों की बिजली वितरण कंपनियों पर बिजली उत्पादक कंपनियों का करीब 6.78 अरब डॉलर का बकाया था। इस कारण बिजली बनाने वाली स्वतंत्र कंपनियों पर पैसों की भारी कमी आ गई और पूरे सेक्टर में पूंजी की कमी महसूस होने लगी। सरकार का मानना है कि अगर निजी कंपनियों को भी एक ही इलाके में काम करने की अनुमति दी जाए तो बिजली वितरण में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। इससे आम लोगों को बेहतर सेवा और समय पर बिजली मिल सकेगी।

सशक्त बालिका-सशक्त समाज थीम पर जिलेभर में कार्यक्रम

कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राएं व अभिभावक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को जिलेभर में सशक्त बालिका सशक्त समाज थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह दिवस इस संदेश के साथ मनाया गया कि हर बालिका अपने भीतर अपार संभावनाएं और समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

जिले की 40 ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण पर विशेष रूप से बल दिया गया। इन कार्यक्रमों में बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही, जहाँ उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रमों में बालिका सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें बेटियों ने पंचायत के समक्ष अपने विचार और आकांक्षाएँ व्यक्त कीं। जनजागरूकता रैली के माध्यम से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और समान अवसर समान अधिकार के संदेशों को समाज तक पहुंचाया गया। विजन बोर्ड निर्माण गतिविधि के अंतर्गत बालिकाओं ने अपने सपनों और लक्ष्यों को चित्रित किया, वहीं उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त बालिकाओं को सम्मानित कर अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि बालिकाएँ हमारे समाज की वास्तविक शक्ति हैं। जब एक बालिका शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी होती है, तब केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र विकास की दिशा में अग्रसर होता है। प्रशासन का प्रयास है कि कोरबा जिले की हर बालिका को शिक्षा का अवसर, स्वास्थ्य की सुरक्षा, सुरक्षा का अधिकार और आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले। सभी अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और नागरिकों से यह अपील की गई कि वे अपनी बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर दें, उन्हें सपने देखने और उन्हें साकार करने की आज़ादी दें। साथ ही यह सामूहिक संकल्प लिया गया कि हर बालिका को समान अवसर, सुरक्षा और सम्मान मिले, क्योंकि सशक्त बालिका ही सशक्त समाज की पहचान है।

अंधड़ में गिरे पोल, 48 घंटे ठप रही बिजली की सप्लाई, लोग हलाकान

नवागढ़। विद्युत विभाग की लापरवाही से नगर पंचायत नवागढ़ में 48 घंटे बिजली की सप्लाई ठप रही। गुरूवार शाम अंधड़ के बाद बंद हुई बिजली शनिवार की शाम लौटी। इस दौरान उपभोक्ता हलाकान रहे। वहीं बिजली नहीं होने के कारण सरकारी दफ्तरों में कामकाज ठप रहा। गौरतलब है कि गुरुवार की शाम 5 बजे अचानक आई आंधी से दर्जन भर बिजली के खंभे धराशायी हो गये। जिसके कारण बिजली आपूर्ति बंद हो गई। विकास खंड मुख्यालय जैसे जगह में जहां व्यवहार न्यायालय से लेकर सभी शासकीय कार्यालय स्थित है ।ि बजली गुल होने से दफ़्तरों में कोई काम नहीं हो सका। इधर घरों में भी बिजली के अभाव में लोग हलाकान नजर आए। बारिश के मौसम में सांप, बिच्छू के डर में लोग घरों में ही दुबके रहने पर मजबूर हो गए। बार बार शिकायत करने के बाद शनिवार 11 अक्टूबर की शाम 6 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी। नवागढ़ एवं क्षेत्र की जनता वर्षों से 132 के व्ही सब स्टेशन की मांग करते आ रही है, लेकिन नवागढ़ सब स्टेशन में लगभग 40कि भी दूर स्थित बनारी 132 के व्ही स्टेशन से बिजली आपूर्ति होती है। विद्युत पोल ऐसे दुर्गम स्थानों से होकर गुजरती है जहां तक पहुंच पाना विभागीय कर्मचारियों के लिये भी आसान नहीं है।

बालको मिलियन टन क्लब में शामिल होने के लिए तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

भारत की प्रतिष्ठित एल्यूमिनियम उत्पादक और वेदांता एल्यूमिनियम की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) ने अपनी 1 मिलियन टन प्रति वर्ष

खास बात

- एल्यूमिनियम के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता होगी मजबूत

(एमटीपीए) विस्तार परियोजना के तहत देश के सबसे बड़े 525 किलो एम्पीयर (केए) स्मेल्टर से पहली बार धातु का उत्पादन कर भारतीय एल्यूमिनियम उद्योग में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस तकनीकी प्रगति ने 378 केए के पूर्व राष्ट्रीय मानक को पीछे छोड़ दिया है और विभिन्न मानदंडों, दक्षता और प्रचालन उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

नए 0.435 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता के स्मेलटर के प्रारंभ होने के साथ बालको की कुल एल्यूमिनियम उत्पादन क्षमता एक मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही कंपनी मिलियन टन क्लब के चुनिंदा वैश्विक उत्पादकों में शामिल हो जाएगी। यह विस्तार भारत सरकार के मेक इन इंडिया विजन के अनुरूप है। रक्षा, एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव, विनिर्माण और विद्युत पारेषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए घरेलू स्तर पर उत्पादित, उच्च गुणवत्ता वाले एल्यूमिनियम की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित कर बालको ने देश की आत्मनिर्भरता नए आयाम दिए हैं। इस विस्तार के साथ ही भारत के कुल एल्यूमिनियम उत्पादन में 20 प्रतिशत से अधिक के योगदान के साथ बालको देश में औद्योगिक प्रगति के अगुवा के तौर पर स्थापित हो जाएगा। बालको की इस उपलब्धि में लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी), असिया ब्राउन बोवेरी (एबीबी), सीमेंस और गुइयांग एल्यूमिनियम मैग्नीशियम डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट कंपनी लिमिटेड (जीएएमआई) सहित अग्रणी वैश्विक और घरेलू साझेदारों का योगदान है जिनके समन्वयन से बालको ने नए स्मेल्टर में उन्नत इंजीनियरिंग, स्वचालित और दक्षता-संचालित प्रणालियां स्थापित की हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने स्मेल्टर के विस्तार पर कहा, ''मिलियन टन क्लब में प्रवेश कर बालको ने भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा में नई इबारत लिखी है। एल्यूमिनियम राष्ट्रीय महत्व की धातु है जिसका उपयोग रणनीतिक क्षेत्रों और दैनिक जीवन में व्यापक रूप से किया जाता है। इस विस्तार के माध्यम से हम न केवल घरेलू क्षमता को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। विस्तार से एल्यूमिनियम आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन तो मिलेगा ही, छत्तीसगढ़ तथा अन्य क्षेत्रों में आर्थिक विकास की गति तेज होगी।

बालको कर्मचारी।

अदाणी फाउंडेशन जिले में 3 हजार बुजुर्गों, महिलाओं स्कूल के बच्चों की नेत्र जांच कर बांटेगा मुफ्त चश्मे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के बरपाली तहसील में अदाणी फाउंडेशन ने नियमित नेत्र जाँच शिविर की शुरुआत की है। अदाणी के कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपीएल) के पास के पाँच ग्राम पंचायतों खोडुल, सरगबूंदिया, ढ़नीढ़नी, पहंदा, और पताड़ी के आसपास के ग्रामों में

खास बात

- विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के साथ किया जा रहा नियमित शिविर

निवासरत बुजुर्गों, महिलाओं और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों सहित कुल 3000 लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आसपास के ग्रामों में गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाओं के मद्देनजर गांवों में स्कूल के छात्रों सहित बुजुर्गों और महिलाओं में नेत्र रोग की समस्या से निजात दिलाना है।

इसी कड़ी में नेत्र जाँच शिविर उद्घाटन गत मंगलवार को ग्राम पंचायत पताड़ी में किया गया। जिसमें कार्यक्रम की मुख्यअतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताड़ी की डॉ रजनी कटकवार थी। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता केपीएल के महाप्रबंधक श्री नितिन पाटील ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पताड़ी सरपंच श्री प्रधान सिंह ठाकुर, सरगबूंदिया सरपंच श्री अश्विनी

उपकरण वितरीत करते सदस्य।

तवर, जिला पंचायत प्रतिनिधि श्री कमलेश अनंत, केपीएल के भू विभाग प्रमुख श्री विकास ठाकुर तथा कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख श्री अतुल गुप्ता उपस्थित थे। इसके अलावा अदाणी फाउंडेशन के श्री ताजेंद्र बंजारे व पवन महतो सहित गांव के पंच, बुजुर्गजन तथा ग्रामवासी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रजनी कटकवार ने कहा कि, "अदाणी फाउंडेशन का नेत्र रोग के निदान के लिए यह प्रयास काफी सराहनीय है। उन्होंने सभी को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम नेत्र दान करने के लिए प्रेरित भी किया। केपीएल के नितिन पाटील ने कहा कि अदाणी फाउंडेशन अपने आसपास के आश्रित ग्रामों में सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत मुफ़्त चिकित्सा परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध करा रहा है। जो कि संस्था की सामाजिक सहभागिता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेत्र जाँच में अग्रणी संस्था विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र में नेत्र समस्या से जूझ रहे करीब 2000 बुजुर्गों और महिलाओं तथा सरकारी स्कूलों के 1000 बच्चों के नेत्रों की जाँच कर दवाइयाँ और नजर के चश्मे निःशुल्क वितरित करेगा। शनिवार तक ग्राम पताड़ी, ढनढनी, सरगबूंदिया और खोडुल में आयोजित शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ विनोद कुमार पाल ने 400 से अधिक बुजुर्गों और महिलाओं की नेत्र जाँच कर निःशुल्क दवाइयां और नजर के चश्मे वितरित किए। अदाणी समूह द्वारा अपने सामुदायिक सरोकारों के तहत छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी कोरबा, राजधानी रायपुर, सहित प्रदेश के सरगुजा, दुर्ग, बलोदाबाजार-भाटापारा, और बिलासपुर सहित कुल छह जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना विकास तथा आजीविका उन्नयन के कई कार्यक्रम संचालित कर रहा है। जिनमें कोरबा जिले से सटे सरगुजा के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र उदयपुर में 1000 से अधिक आदिवासी बच्चों को केन्द्रीय शिक्षा मण्डल की अंग्रेजी माध्यम स्कूल, अदाणी विद्या मंदिर में उच्चकोटी की निःशुल्क शिक्षा सहित पौष्टिक भोजन, गणवेश, किताब, कापी स्कूल बैग इत्यादि भी प्रदान कर रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, विकास पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

ग्राम पंचायत मुड़ापार में हाई स्कूल संचालन व अन्य क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर सरपंच पति कुंवर सिंह राज व जनपद सदस्य भुवनेश्वर सिंह टेकाम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास में सौजन्य मुलाकात की। जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत मुड़ापार के सरपंच पति कुंवर सिंह राज व जनपद सदस्य भुवनेश्वर सिंह टेकाम, रिटायर्ड इनकम टैक्स आफिसर एसके सिंह, रामकुमार जगत, मुकेश जगत और मोहन द्वारा राजधानी रायपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री से सौजन्य मुलाकात कर क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर खास चर्चा किया गया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करते जनप्रतिनिधि।

जिसमें प्रमुखता से ग्राम पंचायत मुड़ापार में हाई स्कूल संचालन करने, लीलागर नदी में चेक डेम, बांध का सौंदर्यीकरण सह नहरीकरण के साथ साथ भवन निर्माण, रोड निर्माण, प्रवेश द्वार ग्राम पंचायत बम्हनीकोना - डिंडोलभांठा पहुंच मार्ग आदि के संबंध में चर्चा करते हुए लिखित मांग पत्र सौंपा। सरपंच पति कुंवर सिंह राज द्वारा जनसंख्या जनगणना के संबंध में चर्चा करने पर मुख्यमंत्री के द्वारा बहुत जल्द होने एवं युवा पीढ़ी को देश सेवा के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की बात कहीं।

TOP IN KORBA
GURUKRIPA COLLEGE ADMISSION GUIDENS 2025-26
SC/ST/OBC FEE Discount 20%

SN.	Cours	Duration	Qualification
1.	BMLT (बेचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	3 Year	12th Bio
2	DMLT (डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	2 Year	12th Bio
3.	B.Sc Nursing (बेचलर ऑफ साइंस)	4 Year	12th Bio
4.	OT (ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट)	2 Year	12th Bio
5.	D. PHARMA (डिप्लोमा इन फार्मेसी)	2 Year	12th Bio & Maths

Kamla Complex, Nehru Chowk, Bilaspur 07752-796378, 9329528463, 9329536742

स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

"अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रैजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रुपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

उपयोग

1. डिजिटल भुगतान: ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेश: कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेन: पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

जोखिम

1. अस्थिरता: कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिम: हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितता: विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटाले: फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिम: तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

तोहफा | बिजनेस डेस्क

"'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

■ जरूरतों के लिए- 30%■ इच्छाओं के लिए- 30%■ वेल्थ बनाने के लिए- 40%

जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।'अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो 'कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स ' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

ये हैं निवेश के विकल्प

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

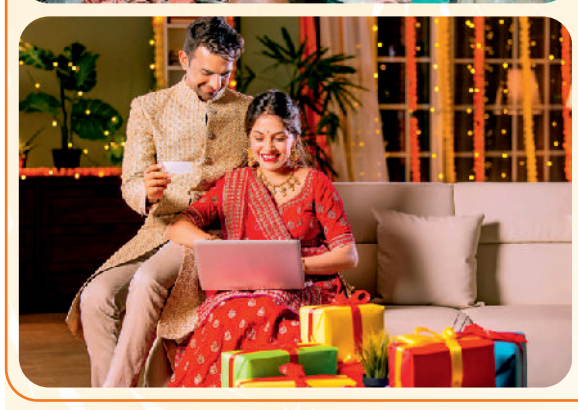

आवरण कथा
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल

आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

अवेयरनेस
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढनी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली

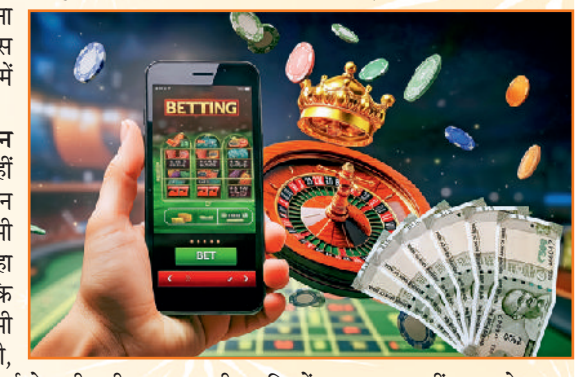

जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

गजल
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

लघुकथाएं

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

खबर संक्षेप

पुरानी बस्ती के स्कूल को मिली नई शिक्षिका

कोरबा। पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम अलगीडाँड़ में संचालित प्राथमिक शाला में कुल 63 बच्चे दर्ज है। ज्यादातर विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति परिवार से हैं। विद्यालय में विगत कई वर्ष से एकमात्र प्रधानपाठक श्री रघुवीर सिंह ही थे जो सभी विद्यार्थियों की कक्षाएं लेते थे। इस दौरान उन्हें बहुत परेशानियों का सामना भी करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण से उनके विद्यालय में एक शिक्षिका पदस्थ हुई है। उनके पदस्थापना से उन्हें भी बहुत राहत मिली है। युक्ति युक्तकरण से पदस्थ शिक्षिका श्रीमती इंदु पैकरा ने बताया कि उनका नाम युक्तियुक्तकरण में आने के बाद उन्होंने 6 जून को विद्यालय में अपनी उपस्थिति दी। अब चार माह हो गए हैं। विद्यार्थियों के साथ घुल मिल गई है। विद्यार्थी भी उन्हें नई मैडम के नाम से जानते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अविनाश, अतुल, मुस्कान, मान्या, स्वाति, प्रियांशी ने बताया कि नई मैडम उन्हें पढ़ाती है। पहले बड़े गुरुजी अकेले पढ़ा रहे थे। विद्यार्थियों ने बताया कि नई मैडम खेल भी खेलाती है और बड़े होकर डॉक्टर, इंजीनियर बनकर देश का अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा भी देती है।

रेत खदान आबंटन हेतु एमएसटीसी पोर्टल के प्रशिक्षण का आयोजन

कोरबा। छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के अनुसार खनिज साधन विभाग अंतर्गत गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन ई-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया के तहत एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। ई-नीलामी से संबंधित समस्त प्रक्रिया यथा निविदा जारी करना, निविदा में भाग लेने हेतु बोली कर्ताओं का पंजीयन बोली लगाने की प्रक्रिया, तकनीकी अर्हताधारी बोली कर्ताओं का चयन, लॉटरी प्रक्रिया, अधिमानी बोलीदार का चयन इत्यादि समस्त कार्यवाही उक्त पोर्टल के माध्यम से ही किया जाना है। उपरोक्तानुसार गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से किये जाने हेतु इच्छुक बोली कर्ताओं का प्रशिक्षण (बिलासपुर संभाग के लिये) 13 अक्टूबर को अपरान्ह 2 बजे से जल संसाधन विभाग बिलासपुर के प्रार्थना सभा भवन में आयोजित किया गया है। तद्नुसार कोई भी इच्छुक व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले सकता है।

मेडिकल छात्रों ने दी मानसिक बीमारियों की जानकारी

कोरबा। भारत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ दिवस पर जिला चिकित्सालय में पोस्टर, हेल्थ एजुकेशन के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों को मानसिक बीमारियों के कारण, लक्षण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गई। विश्व मानसिक स्वास्थ दिवस प्रति वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ दिवस की थीम सेवाओं तक पहुंच आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य। जिसमें कॉलेज के शिक्षकगण उपस्थित थे।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक आज

कोरबा। संगठन सृजन अभियान के तहत 12 अक्टूबर को जिला कांग्रेस कार्यालय टीपी नगर में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की बैठक सुबह 10.30 बजे जिला परिवेक्षक डॉ.आरसी खुटिया लेंगे। तत्पश्चात प्रातः 11.30 बजे साडा कॉलोनी जमनीपाली कबीर भवन के पास निर्मित अग्र मंगल भवन में दर्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का बैठक, शाम 4 बजे सतनाम भवन प्रेमनगर वार्ड 64 में कुसमुण्डा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का बैठक एवं संध्या 5 बजे बांकीमोंगरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का बैठक वार्ड क्र. 56 पानी टंकी के पास स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित है। जिला अध्यक्ष नत्थुलाल यादव एवं मनोज चौहान ने उक्त बैठकों में संबंधित कांग्रेस नेताओं को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है।

स्कूल के बच्चों से लेकर आमजन तक हो रहे परेशान

चार महीने से ठप पड़ा है कोसाबाड़ी मार्ग का निर्माण, कीचड़, मलबे में फंस रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

नगर पालिका कटघोरा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 से गुजरने वाला कोसाबाड़ी मार्ग बीते कई महीनों से बदहाल स्थिति में है। इस मार्ग के निर्माण के लिए नगर पालिका परिषद कटघोरा द्वारा लगभग 17 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। कोसाबाड़ी के अंतर्गत आने वाले इस मार्ग का निर्माण कार्य जून के अंतिम सप्ताह में ठेकेदार द्वारा आरंभ किया गया था। लेकिन अब तक यह कार्य अधूरा ही पड़ा हुआ है।

ठेकेदार द्वारा कुछ दूरी तक लगभग सौ मीटर सड़क का आरसीसी निर्माण किया गया, किन्तु इसके बाद वर्षा प्रारंभ हो गई। बारिश के कारण निर्माण कार्य रोकना पड़ा और जो हिस्सा तैयार हुआ था, वह भी क्षतिग्रस्त हो गया। तब से लेकर अब तक, यानी चार महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कार्य पूरी तरह ठप है। इस बीच, सड़क के किनारे डंप की गई निर्माण सामग्री अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। मिट्टी, गिट्टी और रेत के ढेरों के बीच से गुजरना मुश्किल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ जमा है, जिससे पैदल चलना तो दूर, दोपहिया वाहन निकालना भी जोखिमभरा हो गया है। यह कोसाबाड़ी मार्ग कटघोरा से जेन्जरा होते हुए कटघोरा बायपास को जोड़ता है। यह मार्ग आसपास के हुंकरा, मुडाभाटा, दर्राभाटा सहित कई ग्राम पंचायतों के लोगों के लिए मुख्य शॉर्टकट मार्ग है। लोग इसी रास्ते से कटघोरा बाजार और शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचते हैं।मार्ग की दुर्दशा के कारण ग्रामीणों को अब लंबा रास्ता तय कर कटघोरा आना-जाना पड़ रहा है। त्योहारों का सीजन होने से लोगों की आवाजाही बढ़ी हुई है, लेकिन सड़क की स्थिति ने सभी की मुश्किलें दोगुनी कर दी हैं। सबसे अधिक परेशानी उन स्कूली बच्चों को हो रही है, जो रोजाना इसी मार्ग से होकर कटघोरा के स्कूलों तक पहुंचते हैं। कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं। कई अभिभावकों ने बताया कि बरसात के दौरान कई बार बच्चों को फिसलकर गिरना पड़ा, वहीं अब सूखे मौसम में धूल और गिट्टी ने सफर को और भी मुश्किल बना दिया है।

अधूरी सड़क जिसमें पड़ी निर्माण सामग्री।

ग्रामीणों की नाराजगी और मांग

ग्रामीणों का कहना है कि अगर नगर पालिका प्रशासन और ठेकेदार ने समय पर काम पूरा कर लिया होता, तो आज यह मार्ग सुगम यातायात का माध्यम बन चुका होता। अब स्थिति यह है कि न केवल निर्माण कार्य रुका है, बल्कि डंप की गई सामग्री ने रास्ते को और भी तंग बना दिया है। लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द ठेकेदार को निर्देशित करे ताकि सड़क निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो और इस बहुप्रतीक्षित मार्ग का जल्द समापन हो सके। इससे न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी बल्कि कटघोरा नगर तक पहुंचना भी बेहद आसान हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका से आग्रह किया है कि त्योहारों के इस सीजन में लोगों को असुविधा से बचाने के लिए अस्थायी रूप से भी मार्ग को दुरुस्त किया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि कुछ ही दिनों में काम फिर से शुरू नहीं हुआ तो वे लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

दस माह में जिले के 18 फीसदी वाहन में लग पाई एचएसआरपी

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य है, लेकिन 10 माह बीतने के बाद भी जिले में महज 18 प्रतिशत वाहनों में ही नई प्लेट लगी है। कार्यवाही में ढील की वजह से वाहन मालिक लापरवाही बरत रहे हैं।

खास बात

- 2 लाख 65 हजार 812 वाहनों में से अब तक 45 हजार 653 वाहन में लगा एचएसआरपी

प्रदेश सरकार ने 10 माह पहले दिसंबर 2024 में सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य किया है। वैसे प्रदेश में 1 अप्रैल 2019 के बाद खरीदे गए वाहनों के रजिस्ट्रेशन के साथ एचएसआरपी लग रहा था। वहीं उक्त अवधि से पहले खरीदे गए वाहनों में ही पुरानी प्लेट लगी है। सरकार ने एचएसआरपी लगाने अवधि तय की थी। जिले में नई प्लेट लगाने ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य क्षेत्र में फिटमेंट सेंटर खोले गए, जहां शुरुआत में वाहन मालिकों की ऐसी भीड़ थी कि पांव रखने की जगह नहीं रहती थी। भीषण गर्मी में भी लोग नई प्लेट लगवाने खड़े रहते थे, लेकिन अब स्थिति ऐसी है कि सेंटर अब खाली हैं। 10 माह के दौरान जिले में नई प्लेट लगाने के दायरे में आ रहे कुल 2 लाख 65 हजार 812 वाहनों में अब तक 45 हजार 653 वाहन अर्थात 18 प्रतिशत वाहनों में ही एचएसआरपी लग पाया है। बाकी 82 प्रतिशत वाहन अब भी पुरानी नंबर प्लेट लगाकर चलाए जा रहे हैं। परिवहन विभाग ने तय अवधि के बाद कार्यवाही शुरू की थी तो फिटमेंट में लोग नई प्लेट लगवाने पहुंच रहे थे, लेकिन कार्यवाही में ढील देते ही लोग भी लापरवाही बरतने लगे हैं। डीटीओ विवेक सिन्हा ने कहा हैं की वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगाने पर कार्यवाही की जाएगी। वाहन मालिकों से अपील है कि चालानी कार्यवाही से बचने एचएसआरपी लगवाकर ही वाहन चलाएं।

कोयला कर्मी को नौकरी से निकलवाने के नाम पर भयादोहन कर वसूले 8 लाख 60 हजार रूपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल बल्गी में कार्यरत कोयला कर्मी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज करायी है कि प्रवीण झा नामक युवक द्वारा उसे फर्जी तरीके से नौकरी करने का आरोप लगाते हुए भयादोहन कर किस्तों में 8 लाख 60 हजार रूपये की राशि ली है। इसके बावजूद उक्त युवक द्वारा एसईसीएल व पुलिस के बड़े अधिकारियों द्वारा मामले की शिकायत करने व शिकायत को दबाने के नाम पर लगातार उससे पैसे की मांग की जा रही है। प्रवीण झा द्वारा एसईसीएल व पुलिस के बड़े अधिकारियों का नाम लेकर 2 लाख 50 हजार रूपये का चेक भी लिया गया है। उक्त युवक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

शिकायतकर्ता।

खास बातें

- कोयला कर्मी ने की पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्यवाही की मांग
- फर्जी तरीके से नौकरी करने का आरोप लगाकर पिछले एक वर्ष से आरोपी कर रहा भयादोहन

एसईसीएल बल्गी कॉलोनी क्वाटर नंबर एमक्यूडी 8 में निवासरत दीनदयाल उम्र 59 वर्ष पिता समारू ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज करायी है कि प्रवीण झा पिता रामानंद झा निवासी तैय्यब मस्जिद बिलासपुर के द्वारा मुझ पर एसईसीएल बल्गी परियोजना में फर्जी नौकरी करने का आरोप लगाकर लगातार मेरा भया दोहन कर मुझसे विभिन्न किस्तो में 8 लाख 60 हजार नगद एवं 2 लाख 50 हजार रुपये का चेक सहित कुल 11 लाख 10 हजार रुपये की उगाही की गई है, जिसकी निष्पक्ष जांच कर आरोपी प्रवीण झा के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाए। पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में उल्लेख किया गया है कि पिछले वर्ष सितम्बर 2024 को दीनदयाल के मोबाईल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 90981 44445 से कॉल कर अपना परिचय प्रवीण झा देते हुए उसे डराने लगा कि तुम एसईसीएल बल्गी में फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे हो मैं तुम्हारी शिकायत सभी कार्यालय में भेजकर तुम्हे नौकरी से बाहर करा दूंगा और यदि तुम चाहते हो कि मैं कोई ऐसा नही करु तो तुम मुझे 8 लाख रुपये दे दो मैं कोई शिकायत या कार्यवाही नहीं करूंगा। लेकिन आप मेरा कहा मानते है तो मैं आपकी सुरक्षा करने को तैयार हूँ मेरा बड़े-बड़े पुलिस अधिकारी एवं एसईसीएल अधिकारियो से परिचय है। उसकी बात सुनकर तथा भयभीत होकर उससे पूछा कि वह क्या चाहते हैं तो प्रवीण झा के द्वारा कहा गया कि 8 लाख रुपये मुझे दे दिजिए मैं सब सम्हाल लूँगा आपको कोई नुकसान नहीं होने दूँगा मेरे द्वारा उसकी मांग पर उतनी राशि देने के लिए कुछ समय मांगा गया किन्तु वह समय देने को तैयार नही हुवा फिर भी मेरे द्वारा उसके निवेदन करते हुवे नवम्बर 2024 तक कुल 5 लाख रुपये किश्तो में प्रदान कर दिया गया। 23 दिसम्बर 2024 में पुनः वह उसके मोबाईल पर व्हाटसअप मैसेज भेज कर विभिन्न अधिकारियों को शिकायत करने की धमकी भेजने लगा, तब मेरे द्वारा उससे कॉल कर बातचीत करने पर वह कहने लगा कि मैं तो आपकी बात मान कर आगे कोई कार्यवाही नहीं कर रहा हूँ, लेकिन एक बड़े पुलिस अधिकारी नहीं मान रहे हैं, उन्हे 2 लाख 50 हजार रुपये और देना पड़ेगा तब मेरे द्वारा तत्काल उतनी राशि देने में असमर्थता जताऐ जाने पर वह मुझे कुछ माह का मोहलत देने हेतु सहमत हो गया। जिसके बाद मेरे द्वारा विभिन्न किस्तों में जनवरी 2025 से जुलाई 2025 तक नगद राशि कुछ 2 लाख 50 हजार प्रवीण झा को दिया गया। माह अगस्त 2025 में उसके द्वारा पुनः उसे कॉल करके आला अधिकारियों के नाम पर धमकी देते हुए 10 लाख की मांग की गई। मेरे द्वारा इतनी बड़ी राशि देने पर असमर्थता जताने पर अग्रिम राशि के रूप में 2 लाख 50 हजार रूपये का चेक पुनः प्राप्त कर लिया गया। हालांकि उक्त चेक से अभी राशि नहीं निकाली जा सकी है।

कार्यकर्ता व सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा शहरी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के 3-3 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन 8 अक्टूबर से मंगाया गया है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर निर्धारित है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं एवं सहायिका पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं निर्धारित है। आवेदिकाओं को संबंधित वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है। आवेदन पत्र पर पद एवं केन्द्र का नाम का स्पष्ट उल्लेख करना आवश्यक होगा। आवेदिकाओं की आयु 18 से 44 वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

बिजली कर्मियों के खाते में दीपावली के पहले आएगी बोनस की राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों के लिए बोनस का ऐलान कर दिया है। बिजली कर्मचारियों को इस वर्ष अधिकतम 12 हजार रुपए तक बोनस मिलेगा। कंपनी के अधीन काम करने वाले नियमित, अस्थाई रूप से संविदा और ऐसे सभी कर्मचारी जिन्हें बिजली कंपनी की ओर से सीधे नियुक्त किया गया हो उनको बोनस मिलेगा। दिवाली के पहले ही बोनस का भुगतान कर दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। त्योहार से पहले बोनस मिलने की खबर से कर्मचारी काफी खुश हैं।

एसईसीएल, एनटीपीसी और बालको जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों को दशहरा उत्सव के दौरान ही बोनस का भुगतान कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य बिजली कंपनी के कर्मचारियों को बोनस का भुगतान नहीं हुआ था। कर्मचारी संगठनों ने बिजली कंपनी प्रबंधन को पत्र लिखकर दीपावली के पूर्व बोनस भुगतान की मांग की थी। अब प्रबंधन की ओर से बिजली कर्मचारियों के लिए इस वर्ष अधिकतम 12 हजार बोनस राशि भुगतान का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 का बोनस भुगतान करने का आदेश भी जारी कर दिया है। जिसमें बोनस पात्रता, भुगतान दर और अधिकतम सीमा स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई है। यह आदेश शुक्रवार की शाम को जारी किया गया है। इन कर्मचारियों को मिलेगा बोनस का फायदाः छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी लिमिटेड की ओर से जारी आदेश के अनुसार कंपनी के स्थायी, अस्थायी, संविदा एवं नियमित रूप से कार्यरत वे कर्मचारी, जिनकी पिछले वित्तीय वर्ष 2024-2025 में मूल वेतन, महंगाई भत्ता को मिलाकर मासिक वेतन 21 हजार रुपए है। वह कर्मचारी बोनस के लिए पात्र होंगे।

दीपावली से पहले खाते में आ जाएंगे पैसे

बिजली कर्मचारी संगठनों ने एनटीपीसी, बालको और एसईसीएल की तरह बिजली कंपनी में भी उत्पादकता आधारित बोनस लाभांश के दर पर बोनस भुगतान की मांग की थी। कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 30 हजार बोनस दिए जाने की मांग को लेकर बिजली कंपनी के अध्यक्ष को पत्र लिखा गया था। हालांकि बिजली कर्मचारियों को पिछले वर्ष की तरह इस बार भी अधिकतम 12 हजार बोनस भुगतान का प्रबंधन की ओर से आदेश जारी किया। ज्यादातर कंपनियों में दशहरा और दीपावली के मौके पर बोनस दिया जाता है। पर्व से पहले मिलने वाली इस रकम से कर्मचारियों का उत्साह त्योहार मनाने को लेकर दोगुना हो जाता है।

बिजली कर्मियों को दीपावली से पहले महंगाई भत्ता की मांग

कोरबा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी संघ फेडरेशन के प्रांतीय महासचिव आरसी चेटटी ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के अध्यक्ष को पत्र लिखकर दीपवली के पूर्व बिजली कर्मचारियों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता आदेश जारी करने की मांग की है। संघ ने चेयरमेन को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि केन्द्र सरकार द्वारा जुलाई 2025 से केन्द्रीय कर्मचारियों को देय महंगाई भत्ता राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि के आदेश जारी किया गया है। विद्युत कंपनी के कर्मचारियों पेंशनरों को केन्द्र सरकार की घोषणा अनुसार महंगाई भत्ता राहत के भुगतान आदेश जारी किये जाने की परंपरा है। संगठन की मांग है कि विद्युत कंपनी के कर्मचारियों पेंशनरों को दीपावली पूर्व 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता राहत के भुगतान संबंधी आदेश जारी करें।

छात्राओं के सशक्तिकरण हेतु सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अग्रसेन कॉलेज में लायंस क्लब बालको एवं लायंस क्लब पावर सिटी के संयुक्त तत्वावधान में सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में सशक्तिकरण, आत्मविश्वास एवं मानसिक जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर डॉ. ए कौशिल उपस्थित रहे, जिन्होंने मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास पर प्रेरक विचार साझा किए। कार्यक्रम में गेस्ट ट्रेनर्स के रूप में प्रेमराज बंजारें तथा सुश्री ईशा सोनवानी ने छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं ने न केवल आत्मरक्षा की तकनीकें सीखीं, बल्कि आत्मविश्वास, सुरक्षा और मानसिक सशक्तिकरण के महत्व को भी गहराई से समझा। लायंस क्लब बालको एवं लायंस क्लब कोरबा पावर सिटी ने इस पहल के माध्यम से समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

एसईसीएल ने 37 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को मुक्त करने का लक्ष्य किया निर्धारित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल ने अपने प्रचालनगत और प्रशासनिक स्थानों पर स्वच्छता, दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एक व्यापक योजना के साथ अपना महत्वाकांक्षी विशेष अभियान 5.0 आरंभ किया है। अभियान के तहत, एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में फैले 203 चिन्हित स्थलों पर 37 लाख 50 हजार वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस पहल का उद्देश्य कार्यालयों, खदानों और कॉलोनियों में स्थायी हाउसकीपिंग कार्यप्रणालियां सुनिश्चित करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सौंदर्य में सुधार करना है। विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत प्रमुख लक्ष्य लगभग 37.5 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले 203 स्थलों की सफाई और रखरखाव। लगभग 3 हजार मीट्रिक टन स्क्रैप सामग्री का सुरक्षित निपटान। 2 हजार वास्तविक फाइलों और 6 हजार 500 ई-फाइलों की विस्तृत समीक्षा। कंपनी के भीतर रचनात्मकता औरर चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों का निर्माण। यह अभियान प्रणालीगत फाइल समीक्षा और समापन के माध्यम से डिजिटल दस्तावेजीकरण कार्यप्रणालियों और कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन के एकीकरण पर भी जोर देता है, जो स्वच्छता और शासन में दक्षता के लिए भारत सरकार के व्यापक विजन के अनुरूप है। पिछले वर्ष विशेष अभियान 4.0 के दौरान, एसईसीएल ने कई श्रेणियों में अपने लक्ष्यों को पार किया सफाई स्थलों की संख्या, खाली की गई जगह और स्क्रैप निपटान के मामले में सभी कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में कंपनी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कंपनी ने लोक-संपर्क और दृश्यता में भी अग्रणी स्थान अर्जित किया, कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में सबसे अधिक ट्वीट और प्रेस विज्ञप्तियां दर्ज कीं, जिससे अभियान के क्रियान्वयन और संचार में राष्ट्रीय स्तर पर एक मानक स्थापित हुआ।